रङ्गमञ्च

शिक्षक केर हेतु

- एहि इकाइमे अध्याय आ पाठक नाम ओही अवधारणा पर प्रस्तुत कएल गेल अछि जेना की नाटकक आलेखकेँ अभिनय आ दृश्यमे विभाजित कए देल जाइत अछि।
  अभिनय 1 = अध्याय 1
  दृश्य 1 = पाठ 1
  दृश्य 2 = पाठ 2
- विदूषक- पारम्परिक भारतीय रङ्गमञ्चक एकटा पात्र अछि। एहि पात्रक उपयोग संस्कृत रङ्गमञ्चमे दृश्यकेँ हास्य आ विलक्षणतासँ जोड़बाक हेतु कएल जाइत छल। ई चरित्र परिस्थितिक अनुसार कोनो रूप धारण कऽ सकैत अछि आ ओकरा विषयमे बाइज सकैत अछि। एतय एकर उपयोग बच्चासभक मित्र केर रूपमे कएल गेल अछि, जे ओकरा सभकेँ एकटा गतिविधिसँ दोसर गतिविधिमे आगू बढ़बाक क्रममे रङ्गमञ्चक अवधारणाक विषयमे बतबैत अछि आ मार्गदर्शन करैत अछि। विदुषक केर माध्यमसँ बच्चासभकेँ महत्वपूर्ण बातसभ आ पाठ बताओल जाइत अछि।
- बच्चाक लेल स्वतन्त्र रूपसँ घूमक लेल एकटा विशाल खाली कोठरी (हॉल) या खेलक मैदान - बाधाक वा तेज वस्तुसभसँ मुक्त हो, जे चोट पहुंचा सकए छै - कें व्यवस्था कएल जएबाक चाही
- शिक्षककेँ गतिविधि कऽ क' देखबए पड़त अथवा प्रदर्शन हेतु कोनो व्यवस्था करए पड़त, ओकर बादे बच्चासभकेँ दोहरएबाक हेतु कहथि। किछु कर'क लेल कहबासँ पहिने प्रदर्शन करए पड़ैत छैक। बच्चासभकेँ पहिने सोचए दियौक आ ओकरा अपन विचार वा योजना प्रस्तुत करए दियौ। QR कोडमे अतिरिक्त उदाहरण आ विचार देल गेल अछि जाहिसँ शिक्षककेँ गतिविधिक प्रदर्शन करबामे सहयोग भेटत।
- शिक्षक कोनो गतिविधि प्रयोजनक अनुरूप कक्षामे कतबो बेर दोहरएबाक हेतु स्वतन्त्र छथि

© NCERT not to be republished

मित्र सभक सङ्ग 'नाटक' खेलने छी?

हमरा बुझल अछि जे अहाँकेँ भिन्न परिस्थिति बनएबामे नीक लगैत अछि।

जँ हँ, त' अहाँ पहिनेसँ रङ्गमञ्चमे नीक छी ! रङ्गमञ्च कथाकेँ जीवन्त करबाक एकटा मजगर तरीका अछि ! अहाँ जे कल्पना करैत छी से अहाँक सोझाँ भ सकैत अछि! विचार, भाव, परिस्थिति आ कथा जखन अहाँ ओकरा सोझाँ खुलैत देखैत छी तहिना जीवन्त भ' जाइत अछि ।
रोमाञ्चक लगैत अछि?

हमरा यकीन अछि जे अहाँ अपन खिलौना स' कथा बनौने होयब!

अहाँ एकटा अलग दुनिया मे जेबाक कल्पना केने होयब ...

आब, कल्पना करू जे एहि कथा, परिस्थिति आ भावनाक हिस्सा बनब ... अपन वास्तविक जीवन मे वापसी करबा स' पहिने एकरा कम समय लेल जीब— की ई रोमाञ्चक नहि अछि?

नाटकक एहि दुनियाँक यात्रा शुरू करी। हँसब आ कानब। जीवनक बहुत रास पाठ सेहो सीखब।

© NCERT not to be republished

प्रणाम यौ श्रीमान विदूषक महोदय !

नमस्ते! हमर नाम विदुषक अछि। हम अदौसँ रङ्गमञ्चक भाग छी। रङ्गमञ्चमे जे किछु होइत अछि ओकर सभ विवरणसँ हम परिचित छी, आ हम जाबत धरि एतय छी ओकर एक-एक क्षण केर आनन्द लैत छी। हम अहाँसभकेँ अपन दुनियासँ परिचय करएबाक हेतु एकटा अति-रोमाञ्चक यात्रा पर लऽ चलैत छी! आउ चलू...

पहिने आउ अपनासभ ओहि समानक एकटा सूचि बनाबी जकरा अहाँ रङ्गमञ्चक हिस्सा मानैत छियैक!

_____ _____ _____

_____ _____ _____

अभूतपूर्व! की अहाँसँ किछु छूटल नहि न? अहाँक सूची बढ़िआँ अछि! मुदा अहाँ जे सभ किछु सूचीबद्ध कएलहुँ ओहिमे की अहाँकेँ 'अपन चारूकातक स्थान' आ 'अपन अन्तर (मोन) क स्थान' लिखब याद रहल। ई सबसँ महत्वपूर्ण वस्तु अछि जकर अहाँकेँ प्रयोजन पड़त। आउ न! एकरा सभक विषयमे आओर ज्ञात करैत छी...

आउ किछु खोज करी!

© NCERT not to be republished

15 आउ, ज्ञात करैत छी

अभिनय 1 दृश्य 1 —आश्चर्यक चालि

0337CH15

गतिविधि 1 द्रुत गति चालि

अपना हेतु, अपन चारूकातक वस्तु, अपन देह-मोन आओर समूहक दोसर लोकक सङ्ग अपन जुड़ाव केर खोज करू आ सम्भावना तथा सोचबाक नब तरीकाक अन्वेषण करब सीखू।

कोठरी वा मैदानमे एम्हर-ओम्हर कहुना घुमू। एक्कहि बाट धऽ नहि चलू वा गोल-गोल नहि घुमू। जाबत धरि निर्देश नहि देल जाए ताबत नहि रुकू। दोसरकेँ नहि छूबू आओर नहि ओकर पएर पर पएर दियौ। बहुत ध्यानसँ सुनू आ निर्देशक पालन करू-

- शिक्षक अहाँकेँ चलबाक हेतु सतत निर्देश देताह।
- '5' अहाँक चलबाक सामान्य गति अछि। '1' सबसँ माध्यम गति तऽ '10' सबसँ तीव्र गति अछि (चलबाक अछि दौड़बाक नहि छैक).
- चलु शुरु करू। कोठरी मे '5' पर चलू, '8' पर चलू आ '3' पर चलू (आ एहिना 20-25 सेकण्ड केर अन्तर पर चलैत रहू)।
- एकर बाद 4-5 मिनट धरि दोहराउ (जाबत धरि शिक्षककेँ नहि लगतनि जे आब बच्चा सभ सही लयमे अछि), 'रुकबाक' आ फेर तेजी सँ चलबाक निर्देश दैत रहियौक।

अहाँ सीखब

सतर्कता आ ध्यान, कल्पनाशीलता, एकाग्रता, समुहमे काज केनाइ, मुँहक भाव-भङ्गिमा आ देह-भाषा।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 2 अहाँ एकटा भिन्न पस्थितिमे छी!

अन्वेषणक शाब्दिक अर्थ अछि अज्ञातसँ ज्ञात दिस जाएब। एकर अर्थ ई भेल जे नब चीज सीखबाक हेतु व्यवस्थित रुपे खोज करब। तखन की अहाँसभ अपन लगपासक स्थान केर अन्वेषण करबाक लेल तत्पर छी,- जेना की जाहि कोठरीमे अहाँ छी, ओकर देबाल, फरस, छत - आ अपन अगल-बगल केर वस्तु ... आ अहाँक अपना अन्तर केर स्थान – जेना अहाँक मोन, विचार आ अहाँक कल्पना?

शिक्षक केर टिप्पणी

गतिविधि केर शुरुआत उत्साहपूर्वक (वॉर्म-अप सँ) शुरू करू। अलग-अलग गतिक 4-5 क्रियाक बाद स्थितिमे सरल परिवर्तन करू, जेना पहिने उदाहरण मे देल गेल अछि। शिक्षक चहथि तऽ किछु अपना दिस सँ आओर जोड़ि सकैत छथि। प्रत्येक नब निर्देश सँ पहिने 8-10 सेकण्ड केर अन्तराल देल जा सकैत अछि।

कोनो परिस्थिक कल्पना करू

साधारण

"एना चलू जेना अहाँ काँट पर चलि रहल छी",
"एना चलू जेना फरस पर तेल पसरल हो आ पिछड़ि रहल हो।",
"एना चलू जेना एकदम नरम रुइया पर चलैत होइ "... एहने किछु आओर।

विशिष्ट

"एना कऽ चलू जेना अहाँ खाली पएर बर्फ पर चलैत होइ... आब जेना ओतए ठण्ढ़ा हवा बहि रहल अछि... अहाँक लग एकटा मफलरक छोड़ि आओर कोनो गरम कपड़ा नहि अछि... तेज हवा ओकरो उड़ा क' लऽ गेल।

© NCERT not to be republished

वृत्तकालक टिप्पणी

शिक्षक केर टिप्पणी

एहि अभ्यास केर पालन सभ गतिविधिक लेल अवश्य कएल जएबाक चाही।
गतिविधिक अन्तमे सभ गोटे अपन अनुभव साझा करबाक हेतु एकटा गोल घेरा मे बैसति छथि।

विमर्श आ प्रतिक्रिया

- गतिविधिक कोन भागमे अहाँ कैँ सभसँ बेसी आनन्द आएल?
- गतिविधिक कोन भागमे अहाँकैँ कनिको आनन्द नहि आएल? आओर से किए?
- अवलोकनमे अहाँ कैँ की नब देखाएल?
- अपना विषयमे अहाँ कोन एकटा नब बात सिखलहुँ? जँ अवसर भेटए त' अहाँ की करबै?
- अहाँ की कोनो एहन स्थितिकैँ अपन वास्तविक जीवन केर घटनासँ जोड़ि सकैत छी जकर अनुभव अहाँ कहियो कएने होइ?

ओ अवश्य बहुत मनरञ्जक रहल हएत! अहाँ लग जखन किछु खाली समय हो त' एकरा खेल सकैत छी। कोना? अहाँ मे सँ कियो एक गोटे निर्देश दए सकैत छी आ बाकी सभ ओकर पालन करताह। ई अहाँ सभक हेतु महत्वपूर्ण अछि किएकी एहि मे आनन्द तऽ अछिए सङ्गहि ई 'सतर्क' सेहो बना रहल अछि। अहाँक 'ध्यान केन्द्रित' रहक चाही किएकी अहाँकैँ निर्देश केर उत्तर झट द' देबए पड़त।

रङ्गमञ्चमे सतर्क रहब आ ध्यान-केन्द्रित राखब बहुत महत्वपूर्ण होइछ जखन कोनो प्रदर्शन चलि रहल हो। मात्र किछु सेकेण्ड केर देरी सँ सेहो पूरा कार्यक्रम बिगड़ि सकैत अछि।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 3 बैसू — घूमू — कूद्दू

गतिविधि केर शुरुआत उत्साहपूर्वक (वॉर्म-अप सँ) शुरू करू। सम्हरि कऽ रहू! अपन कोनो मित्रसँ बिनु ठेल-ठाल कएने वा ककरो पएरमे बिनु चोट लगौने अपन कूद-फान करु।

शिक्षक केर निर्देशक अनुपालन करू – घुमनाइ शुरू करू। जखन अहाँकेँ बैसक लेल कहल जाइ तऽ बैस जाउ, फेर घुमनाइ शुरु करु। जखन शिक्षक पाछा घुमू कहथि त' घुमि जाउ, आ फेर चलैत रहू। जखन शिक्षक कहथि 'कूद्दू' तऽ अपन जगह पर कूद्दू आ चलैत रहू। निर्देश देबाक गति आ क्रम बदलि सकैए तेँ, 'सचेत रहू'!

घुमनाइ कूदनाइ

साधारण

निर्देशमे क्रियाक अर्थ बदलि दियौ! जेना कि आब 'बैसू'क अर्थ अछि 'घूमू', 'घूमू' केर अर्थ अछि 'कूद्दू' आ 'कूद्दू' केर अर्थ अछि 'बैसू' (गति आ क्रम केँ बदलू)।

बैसू

विशिष्ट

आन शब्दक सङ्ग बैसू, घूमू आ कूद्दूक बदलैन करू। जेना की 'बैसू'क स्थान पर 'गैञ्चा', 'घूमू'क स्थान पर 'सोहारी' आ 'सूही' केर स्थान पर 'झोर'। शिक्षक कोनो खिस्सा बना सकैत छथि, जाहि मे ई शब्द सभ नुकाएल हो। जेना कि काल्हि हमर एक गोट मित्र दिनुका भोजन हेतु अपन भोजनक डिब्बा मे सूही माछ अनने रहथि। भोजनक समय एक गोट फ'री ओ हमरो देलथि, मुदा झोर खतम रहनि।

आउ आब एकटा दोसर खेल खेलाइत छी जाहि मे अहाँकेँ पछिलासँ बेसी सतर्क आ ध्यान केन्द्रित राखक प्रयोजन पड़त। अहाँ की तैआर छी?

© NCERT not to be republished

विमर्श आ प्रतिक्रिया

- गतिविधिक कोन भागमे अहाँकेँ सभसँ बेसी आनन्द आएल? आओर से किए?
- निर्देशक केर अर्थकेँ बदलि देला सँ की ई आओर बेसी चुनौतीपूर्ण भऽ गेल?
- सोहारी, सूही आओर झोरकेँ बदलबाक लेल अहाँ कथिक प्रयोग करब?

वृत्तकालक टिप्पणी

अहाँ बहुत बढ़िआँसँ खेललहुँ। अहाँ आब अगिला स्तर केर हेतु तैआर छी! मुदा हम निश्चित रूपसँ कहि सकैत छी जे अहाँकेँ बुझा गेल अछि जे एखन आओर अभ्यासक प्रयोजन अछि। अहाँकेँ जखन कखनो किछु खाली समय भेटैत अछि तऽ एहि खेलकेँ खेलू। एहिमे अहाँकेँ मात्र आनन्देटा नहि आओत अपितु अहाँक कौशलवृद्धि सेहो हएत। की अहाँमे ई बुझक जिज्ञासा अछि जे अपनासभ आगाँ की करबै?

© NCERT not to be republished

दृश्य 2—बिनु बजनहि संवाद करू

संवाद अपना सभक जीवन केर सभसँ महत्वपूर्ण अंश अछि। संवाद की होइछ? दू वा दू सँ बेसी लोकक मध्य विचार अथवा भावनाक पारस्परिक आदान-प्रदान संवाद कहाइछ। अहाँ अपन परिवार वा मित्रसभसँ गप्प कएने बिनु एक्को दिन रहक कल्पना कऽ सकैत छी?

मुदा रुकू। संवादक सीमा की मात्र गप्पे धरि अछि? की हमसभ बिनु गप्प कएने संवाद कऽ सकैत छी? की हमसभ बिनु बजनहुँ बहुत बातक सम्प्रेषण नहि करैत छी?
की अहाँ कैं बुझल अछि जे अपने सभ मे सँ किछु लोक हाथक सङ्केत सँ साङ्केतिक भाषा मे गप्प करैत छथि?
आउ, देखैत छी जे ई संभव अछि कि नहि। ई बजैयो सँ बेसी सुखद भऽ सकैत अछि।

- माटि कोड़नाइ
- रस्सा खीचनाइ

गतिविधि 4 रूकब आ औचित्य सिद्ध करब

ताबत धरि जेना-तेना घुमैत-चलैत रहू जाबत धरि शिक्षक केर ताली नहि सुनबामे नहि अबैत अछि। शिक्षककैं ताली बजबैत देरी मूर्ति जकाँ स्थिर भऽ जाउ। ओ अहाँमे सँ एक गोटेकैं चुनताह, आ आन बच्चा सभ ओहि बच्चाक अभिनय क्रियाकैं चिह्नबाक प्रयत्न करू। आओर पुन: सभ ओहिना जेना-तेना घुमए लागू जाबत धरि पुन: शिक्षक केर ताली नहि सुनाइ। ई गतिविधि अहिना चलैत रहत।

अपन अनुमानकैं यथासम्भव रचनात्मक, आनन्ददायक आ रोचक बनाउ, किएकी कोनो उत्तर गलती अथवा सही नहि अछि!

- पानि पीयब
- ककरो बजाएब

© NCERT not to be republished

विमर्श आ प्रतिक्रिया

- गतिविधिक कोन भागमे अहाँकेँ सभसँ बेसी आनन्द आओल?
- सभटा गतिविधिक पहिचान करब सरल छल? आओर से किए?
- आइ अहाँ नब की सिखलहुँ?
- एहिमे अहाँ कोन नब बात जोड़ए चाहब?

वृत्तकालक टिप्पणी

साधारण — किछु भाव-मुद्रा

शिक्षक केर तालीक सङ्ग विभिन्न प्रकार केर हाव-भाव आ जड़ भऽ जएबाक कल्पना करू। जेना की — ठोड़ी पर हाथ राखनाइ (सोचब), मात्र हाथक प्रयोगसँ प्रश्न पूछनाइ?'

विशिष्ट — किछु देह-मुद्रा

कोनो क्रियाकेँ चित्रण करय बला अलग-अलग मुद्राक कल्पना करू आ जखन शिक्षक ताली बजाबथि तऽ जड़ भऽ जाउ। जेना की - खेती, चित्रकला, आरासँ लकड़ी काटब आदि।

- एकटा पथिया उघनाइ
- जितनाइ

अद्‌भुत! ओ तऽ बहुत आनन्दकारी छल! जखन कखनो अहाँ लोकसभकेँ अलग-अलग मुद्रामे घरम वा सड़कपर अथवा कतहुँ आन ठाम जतए अहाँ जाइत छी तँ देखैत छियैक, तऽ एकरा सभकेँ एकटा रोचक स्वरूप देबाक प्रयास करू। जे सभ अहाँक मोनमे रहैत अछि, विश्वास करू ई बहुत आनन्दकारी हएत! नबीन अर्थ देबए केर ई क्षमता अहाँक रचनात्मकताक निर्माण करैत अछि। रचनात्मकताक माने किछु नूतन, वास्तविक आ कखनो काल किछु असामान्य बनएबाक क्षमता भेल। ई सभ एहन विचार अछि जे संवाद करबामे, समस्याक समाधान करबामे किंवा मात्र आनन्दित होबमे सहयोग करैत अछि। रचनात्मक रूपसँ सोचबाक अहाँक ई क्षमता उमेरक सङ्ग-सङ्ग बढ़त आओर अहाँक जीवनमे सतत सहयोग करत।
रङ्गमञ्चमे अहाँ एकर उपयोग अलग-अलग दृश्य आ दृश्य-बन्ध बनएबामे कऽ सकैत छी। अगिला गतिविधि नब दृश्य आ दृश्य-बन्ध केर निर्माणसँ सम्बन्धित अछि!

© NCERT not to be republished

गतिविधि 5 समूह संरचना

सुरक्षित आश्रयक लेल प्रार्थना करब

निर्देश: अहाँकेँ देल गेल एकटा शब्द पर अपना समूहमे 3 मिनट केर अन्तर्गत चर्चा कऽ कोनो योजना बना सकैत छी। समूहक सभ विद्यार्थी दृश्यकेँ प्रदर्शित करबाक हिसाबसँ अपन-अपन स्थान लऽ लिय। एहन कठिन स्थिति नहि बनाउ जाहिसँ अहाँकेँ कष्ट हो। ध्यान राखू जे विषयकेँ प्रदर्शित करबाक हेतु सभक स्थिति समान रूपसँ महत्वपूर्ण अछि। अभिनय करबाक समय कोनो प्रकारक गप्प-सप्प नहि करू।

शिक्षक केर टिप्पणी
बच्चाक आधार पर बच्चासभकेँ 5-6 केर समूहमे विभाजित करू।

साधारण
'टेलीवीजन देखनाइ', 'क्रिकेट', 'बस' आदि प्रकारक शब्द देल जा सकैत अछि। छात्रकेँ परिस्थितिक कल्पना एना करक चाही जे प्रदर्शनमे विवरण सुक्ष्मतासँ प्रदर्शित होइ।

विशिष्ट
'हाट-बजार', 'खेती', 'बियाह' आदि, जटिलता बढ़ि रहल अछि। विवरण केर सूक्ष्मता पर ध्यान दियौ।

अन्दाज लगाउ जे एहि संरचना सभक की अर्थ होइत छैक

© NCERT not to be republished

विमर्श आ प्रतिक्रिया

- गतिविधिक कोन भागमे अहाँकेँ सभसँ बेसी आनन्द आएल? आ से किए?
- कोन संरचना बनाएब सबसँ बेसी कठिन छल?
- अहाँ कोन संरचना बनबए चाहब?
- अपना सम्बन्धमे अहाँ कोन नब बात सिखलहुँ?

वृत्तकालक टिप्पणी

अहाँ केँ बुझाएल जे रचनात्मकता अहाँकेँ कोनो नब चीज बनएबामे वा खोज करबामे कोना मदति कऽ सकैत अछि! बिना एक शब्द बजने कोनो विचार प्रस्तुत करबाक लेल बहुत रचनात्मकताक आवश्यकता होइत छैक। अहाँ एकरा बहुत नीकसँ कएलहुँ ! अपन संवाद हेतु अहाँ मात्र अपन देहक उपयोग कएलहुँ, एकरा देह-भाषा कहल जाइत छैक। अहाँ जखन अपन हाथ, पएर, माथ आ धड़'क उपयोग भाषामे शब्दक रूपमे कऽ रहल छी। ओ भेल रचनात्मकता!

प्रत्येक समूहमे रचनात्मकता पर अपन मित्र सभसँ विमर्श करू। देखू जे कोना दोसरासँ 'फराक सोचनाइ' कतेक अद्‌भुत अछि। अपना घरक कोनो धटना वा आन परिस्थितिक उदाहरण साझा करू जे अहाँ अनुभव कएने छी।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 6 जादुक खाधि (वस्तु)

निर्देश — चलू एकटा गोल घेर मे बैसी। आ फेर लोकक गिनती करबै। शिक्षक कोनो संख्या(विद्यार्थी) कैं बजा सकैत छथि। जखन अहाँक संख्या पुकारल जाएत तऽ अहाँ घेर'क मध्य मे जाउ, जतए अदृश्य जादूक खाधि अछि। अहाँ ओहि खाधिसँ कोनो एकटा काल्पनिक वस्तु निकालि कऽ ओकर उपयोग करबाक अभिनय करू। आन बच्चासभ अहाँक वस्तुक अनुमान लगाओत।

युक्ति: मात्र अहाँक क्रिया-कलाप (देह-भाषा) नहि, अपितु अहाँक अभिव्यक्ति सेहो लोककैं अहाँक बात नीकसँ बुझबामे सहयोग करत।

की ओ कोनो गेन पकड़ने छथि अथवा कोनो भरिगर पाथर उठौने छथि ? (क्रियामे तऽ दुनू सम्भव अछि, मुदा अभिव्यक्तिमे ई भिन्न भऽ सकैत अछि)। अहाँ की सोचैत छी?

साधारण

लेखनी, पोथी, दूधक क'प, आदि (वस्तुसभक उपयोग केर सुझाव देबाक क्रिया)। जेना की, लेखनी – लेखन, पोथी – पृष्ठ बदलू आ पढ़ू, दूधक क'प – ओहिसँ दूध पीबू आ गरम अछि एहन प्रतिक्रिया दियौक।

विशिष्ट

हथौड़ी आ काँटी, तरकारी आ चक्कू, ब्रुस आ पेस्ट (छात्र सभ देखबए छथि जे ओ कोना कऽ दुनू वस्तुक उपयोग कएल जाइत अछि।)।

ओ हाथमे धनुष-बाण लऽ कऽ रणक्षेत्र देखएबाक प्रयास कऽ रहल छथि। अहाँकैं की लगैत अछि जे चित्रमे की बदलल जा सकैत अछि?

© NCERT not to be republished

विमर्श आ प्रतिक्रिया

- अहाँ कतेक वस्तु-क्रिया'क अभिनय केर अनुमान लगएलहुँ?
- कोन वस्तु-क्रिया'क अभिनय करब सबसँ कठिन छल?
- अदृश्य खाधि सँ अहाँ कोन-कोन वस्तु प्राप्त कर' चाहैत छी?
- एहि गतिविधि सँ सीखल कोनो एकटा नब बात बताउ।

वृत्तकाल टिप्पणी

तँ, अहाँक दैहिक-क्रिया (देह-भाषा) केर अतिरिक्त ओतबे महत्वपूर्ण आओर की अछि -- अहाँक अभिव्यक्ति ? अभिनय करैत काल अहाँक मूहँ पर केहन भाव अछि से बहुत महत्वपूर्ण होइ अछि। जखन अहाँ देह-भाषा आ भावक अभिव्यक्ति एक सङ्ग करैत छी तखन अहाँ की करैत रहैत छियै? तखन अहाँ सभसँ संवाद स्थापित कऽ रहल रहैत छी! रचनात्मकताक लेल ई बहुत महत्वपूर्ण अछि। जँ अहाँ अपन विचार दोसरकेँ नहि बता सकैत छियै तँ जे सबसँ नीक विचार भऽ सकए अछि ओ व्यर्थ चलि जायत! रङ्गमञ्च खिस्सा गढ़ैत अछि आ ओकरा दर्शक केर समक्ष प्रस्तुत करैत अछि, ठीक ? तँ ई बुझि लियौ जे जँ अहाँ रचनात्मकतामे नीक छी तऽ अहाँ संवाद कोना स्थापित करबाक अछि सेहो सीख सकैत छी।

तेँ नियमित रूपसँ रङ्गमञ्च कएनाइ मात्र अहाँक रचनात्मकता धरि नहि अपितु अहाँक संवाद स्थापित करबाक कौशलमे सेहो सुधार होएत। जँ अहाँ बढ़िआँसँ अभिव्यक्त कऽ सकैत छी तँ अहाँक प्रस्तुति नीक जकाँ बुझबामे आओत।

आब हम एहि रचनात्मकता आ संवादक प्रक्रियाकेँ अगिला स्तर पर लऽ जायब।

© NCERT not to be republished